गैर-मानव प्राइमेट की जिम्मेदार छवियों के लिए सर्वश्रेष्ठ अभ्यास दिशानिर्देश

शॉन वाटर्स, जोआन्ना एम सेचेल, लेटीशिआ मार्शेल, फेलिसिटी ओराम, और सुसैन एम चेयनी

योगदानकर्ता: ब्रुक ऑल्ड्रिच, शैरी अलेक्जेंडर, लिएना चुआ, तारा क्लार्क, मेलिन फ्रीस-हेनसन, कैरोलिन जोस्ट-रॉबिंसन, किम्बरले हॉकिंग्स, मारनी लाफ्लेर, लूसी रैडफोर्ड, एरिन राइली, जनेट वॉलिस, और अमांडा वेबर

प्रस्तावना

तस्वीरें या वीडियो (इसके पश्चात्, छवियां) लाखों लोगों का ध्यान गैर-मानव प्राइमेट (इसके पश्चात्, प्राइमेट) संरक्षण और कल्याण के लिए आकर्षित कर सकती हैं। हालाँकि, यदि छवियों का संदर्भ अनुचित, अस्पष्ट या मौजूद नहीं है, तो लोग विषयवस्तु के बारे में गलत निष्कर्ष निकाल सकते हैं। इन गलत निष्कर्षों के कारण प्राइमेट कल्याण और संरक्षण के लिए अनपेक्षित, नकारात्मक परिणाम पैदा हो सकते हैं (ऑल्ड्रिच 2018; वॉलिस 2018; नॉरकौंक और अन्य 2019)। उचित संदर्भ के बिना सोशल मीडिया पर छवियों के प्रसार की संभावना एक विशेष चिंता का विषय है।

कई देशों में प्राइमेट्स को अवैध रूप से जंगल से पकड़ा जाता है और पर्यटन के लिए तस्वीरों में मंच-सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता है (ओस्टरबर्ग एंड नेकारिस 2015; लाफ्लेउर और अन्य 2019; नॉरकौंक और अन्य 2019)। तस्वीरों में मंच-सामग्री के रूप में एक छोटे या शावक प्राइमेट को प्राप्त करने के लिए अक्सर (एक प्राइमेट समूह में से) वयस्कों को मार दिया जाता है। उन्हें काटने से रोकने के लिए प्राइमेट के दांत भी कई बार निकाले जातें हैं। किसी छवि में दर्शाया गया एक अकेला प्राइमेट शायद भारी रूप से तनावग्रस्त परिस्थिति में होता है। उदाहरण के लिए, निशाचर प्राइमेट्स, जैसे कि स्लो लोरिस, जिन्हें भी तस्वीरों में मंच-सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है, दिन के उजाले और टॉर्च प्रकाश के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं (नेकारिस और अन्य 2015)। पर्यटक और प्रवासी अक्सर ऐसे ही प्राइमेट, या तो पालतू जानवर के रूप में या उन्हें "बचाने" की उम्मीद में खरीदते हैं (बर्गिन और अन्य 2019; ओस्टरबर्ग एंड नेकारिस 2015; लाफ्लेउर का व्यक्तिगत अवलोकन; सेचेल का व्यक्तिगत अवलोकन)। इसके अलावा, उन देशों में जहाँ ये प्राइमेट्स पाए जाते हैं या नहीं पाए जातें हैं, वहां अनैतिक व्यवसाय आकर्षक जंगली जानवरों, जैसे की ग्रेट ऐप्स (चिंपांज़ी, गोरिल्ला, आरंगुटान, बोनोबो), को तस्वीरों की मंच सामग्री की तरह इस्तेमाल करने के लिए उनका प्रजनन कराते है (ऑल्ड्रिच 2018)। एक बार जब ये जानवर बहुत बड़े या मजबूत हो जाते हैं, और उन्हें सुरक्षित रूप से संभालना मुश्किल हो जाता है, तब इनका निपटारा कर दिया जाता है या इन्हे गोदाम में रखा जाता है। इन जानवरों को अक्सर खराब परिस्थितियों में रखा जाता है, जिस पहलु से जनता या तो अनजान होती है या अनदेखा कर देती है (अगूरामूर्थी और सु 2005; रियूटर और शेफर 2016)

पेशेवर और छात्र प्राइमेटोलॉजिस्ट (जो प्राइमेट्स का अध्ययन या उन पर शोध करते है), संरक्षणविद, जानवरों की देखभाल करने वाले कर्मचारि, और स्वयंसेवक जो चिड़ियाघरों, बचाव केंद्रों, और अभयारण्यों में काम करते है, सरकारी विभाग के कर्मचारि, और पर्यटन निर्देशक (इसके पश्चात् दूत/संदेशवाहक) - जो की इन प्राइमेट्स से सबसे ज्यादा बारम्बार होते है, उनकी प्राइमेट्स के प्रति उपयुक्त संदेश जन जन तक ले जाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे लोग जो दानी होते है, उच्च श्रेणी संरक्षण प्रस्तुतकर्ता, फिल्म और टेलीविजन हस्तियां, सरकारी अधिकारी, और मीडिया निर्माता भी प्राइमेट के प्रति उचित व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत करें। आखिरकार, प्राइमेट्स के बारे में जानकारी प्रदान करने की मुहीम की सफलता निर्भर करती है कि संदेश को किस तरह समझा जाता है ना की संदेशवाहक के इरादे पर।

इस लेख में हम बताना चाहतें है की क्यों, उपरोक्त उल्लेखित सभी संदेशवाहकों को, प्राइमेट्स को पकडे हुए या उनसे करीबी दर्शाती हुई छवियों के सामूहिक उपयोग पर विशेष रूप से पुनर्विचार करना चाहिए। अंत में, हम प्राइमेट्स की छवियों से, प्राइमेट्स एवं उनके संरक्षण और कल्याण कार्य को होने वाले संभावित नुकसान को कम करने के लिए दिशानिर्देश प्रदान कर रहे हैं।

प्राइमेट्स के साथ लोगो की करीबी दर्शाती हुई छवियों से होने वाली परेशानियां इस प्रकार है

1. प्राइमेट्स के करीब लोगों की छवियां प्राइमेट्स के बारे में सार्वजनिक समझ को विकृत करती हैं |
   सोशल मीडिया पर प्राइमेट के करीब या उन्हें पकड़े हुए दर्शाती मनुष्यों की छवियां प्राइमेट्स के बारे में सार्वजनिक धारणाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं (रॉस और अन्य 2011; नेकारिस और अन्य 2013; लेइटी और अन्य 2015; क्लार्क और अन्य 2019)। प्राइमेट्स को पकड़े हुए या शारीरिक रूप से बहुत करीब दर्शाती हुई मनुष्यों की छवियां गलत धारणा को जन्म देती हैं जैसे कि प्राइमेट्स को छूना शारीरिक रूप से खतरनाक नहीं है, इससे मानव या प्राइमेट के स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं है, कि प्राइमेट्स पालतू जानवर बनाये जाने के लिए उपयुक्त हैं। इस प्रकार का व्यवहार लोगों को प्राइमेट्स को केवल मनोरंजन के स्रोतों के रूप में अनुभव करने के लिए मार्गदर्शित कर सकता है। इस प्रकार प्राइमेट्स की जैव विविधता में उपयोगिता और उनकी प्रजाति के खतरे की स्थिति में होने के आकलन को कमतर आँका जाता है, जो विशेष रूप से उन देशों में जहाँ प्राइमेट्स पाए जाते हैं, वहां चल रहे संरक्षण प्रयासों को दुर्बल कर देता है या हानि पहुंचाता है (रॉस और अन्य 2008; स्क्रोएप्फर और अन्य 2011; लेइटी और अन्य, 2015; मॉरो और अन्य 2017; ऑल्ड्रिच 2018)।

2. प्राइमेट्स के बहुत करीब लोगों की छवियां विभिन्न संस्कृतियों में विभिन्न व्याख्याओं के अधीन हो सकती हैं|
   हालांकि कुछ संस्कृतियाँ प्रकृति से पृथक हैं और 'मनुष्यों' और 'प्रकृति', या 'वन्यजीव' के बीच एक स्पष्ट विभाजन रेखा का व्याख्यान करतीं हैं, कई अन्य संस्कृतियाँ ऐसा नहीं करतीं हैं, और लोग संभवतः प्राइमेट्स को 'जंगली' जानवरों के रूप में नहीं देखते हैं, विशेष रूप से उन देशों में जहाँ प्राइमेट्स पाए जाते हैं (ऑल्ड्रिच 2018)। हम अपेक्षा कर सकते हैं कि लोगों के लिए, प्राइमेट्स को दर्शाती हुई छवियों की व्याख्या, उनके प्राइमेट्स के साथ सम्बन्ध और उनसे परस्पर होने पर निर्भर करते हुए अलग अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण और शहरी निवासियों के बीच प्राइमेट्स से संबंधित धारणाएं बहुत भिन्न होती हैं (फ्रेंकेसा-सोलर और सेरियो सिल्वा 2017; सीबेलोस-मैगो और चिवर्स 2010)। धारणा में इस भिन्नता का मतलब यह है कि जिस संदेश को हम एक संस्कृति या क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य से एक छवि के साथ व्यक्त करना चाहते हैं, वह संदेश उसी परिप्रेक्ष्य में दूसरी संस्कृति के लोगों तक शायद न पहुंचे।

3. संदेशवाहको की प्राइमेट्स के साथ करीब दर्शाती हुई छवियां आम जनता में भी प्राइमेट्स के साथ ऐसी छवियाँ लेने की इच्छा उत्पन्न करती है।
   पुनर्वास केंद्रों पर पशु चिकित्सकों, देखभालकर्ताओं, वन्यजीव प्रस्तोताओं, मशहूर हस्तियों, स्वयंसेवकों या पर्यटकों द्वारा प्राइमेट्स को गले लगाते हुए या खाना खिलाते हुए - ऐसी छवियां सामान्य दर्शकों में भी ऐसा करने की इच्छा उत्पन्न करती हैं। वन्यजीवों (जैसे प्राइमेट्स) के करीब खुद की तस्वीरें प्राप्त करना जिनमें बीच में कोई अभेद्य या स्पष्ट भौतिक अवरोध नहीं हो, यह आज यात्रियों के लिए यात्रा के अनुभवों को प्रदर्शित करने, साझा करने, और मान्य करने के लिए एक लोकप्रिय तरीका बन गया है (शट 2014)। यह छवियां प्राइमेट्स के अवैध शिकार के विरुद्ध और उन्हें पालतू जानवर की तरह न रखने के संदेश को हानि पहुँचाती है क्यूंकि यह छवियां उसी प्रकार का मानव-प्राइमेट सम्बन्ध दर्शाती है जिनको पुनर्वास केंद्र, अभ्यारण्य, गैर सरकारी संगठन, और सरकारी विभाग वास्तव में निरुत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा, प्राइमेट की देखभाल करने वाले प्राइमेटोलॉजिस्ट की तस्वीरें स्थानीय समुदायों को परेशान कर सकती है, जो कभी कभी मानते है की संरक्षणविद इंसानों से ज़्यादा जानवरो की परवाह करते है (मैजार्ड और शेईल 2008; वाटर्स और अन्य 2018)।

निष्कर्ष

चूँकि हम प्राइमेट संरक्षण और कल्याण से जुड़े लोग हैं, हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम खुद को एक प्राइमेट के करीब प्रकाशित करने के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष परिणामों पर विचार करें (वॉलिस 2018)। लोकप्रिय मीडिया में लोगों के साथ प्राइमेट्स की छवियां प्राइमेट्स से जुड़ी उचित सार्वजनिक धारणाओं को कम करती हैं,भिन्न संस्कृति वाले लोगो के बीच गलतफहमी में वृद्धि करती हैं, प्राइमेट्स के प्रति अनुचित व्यवहार को बढ़ाती हैं जो कल्याण और पुनर्वास प्रयासों के प्रभाव को घटाती हैं, और सभी संदर्भों में प्राइमेट संरक्षण के प्रयासों को घटाती हैं। इसलिए इस तरह की छवियों को प्रकाशित करने के नकारात्मक प्रभाव सकारात्मक प्रभाव से अधिक हो सकतें हैं, और प्राइमेट प्रजातियों के विलुप्त होने के संकट को ध्यान में रखते हुए हमें एहतियाती सिद्धांत को लागू करना चाहिए।

सीधे शब्दों में कहें, **प्राइमेट्स के लिए जिम्मेदार संदेशवाहक होने का मतलब है कि हमारा कर्तव्य है कि हम सोशल मीडिया पर प्राइमेट्स के करीब खुद की छवियों को पोस्ट न करें जो आसानी से अप्रासंगिक तौर पर दिखाए जा सकते हैं और फिर गलत समझे जा सकते हैं।** इन जिम्मेदार संदेशवाहकों में वे सब शामिल हैं जो प्राइमेट संरक्षण के बारे में सिखाते हैं, जो किसी मीटिंग या कांफ्रेंस में प्रस्तुति देते है, मीडिया में काम करते हैं, और प्राइमेट संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। यह उन सभी पर लागू होता है जो प्राइमेट्स से सम्बंधित कार्य करते हैं, विशेषकर हम में से वह लोग जो प्राइमेट्स सम्बंधित अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध है, क्यूंकि इन प्रसिद्ध लोगो के पास आम जनता की प्राइमेट्स से सम्बंधित धारणाओं को प्रभावित करने की क्षमता होती है।

हम प्राइमेट्स की छवियों से प्राइमेट्स एवं उनके संरक्षण और कल्याण कार्य को होने वाले संभावित नुकसान को कम करने के लिए दिशानिर्देश प्रदान कर रहे हैं।

प्राइमेट्स की जिम्मेदार छवियों के लिए सर्वोत्तम अभ्यास दिशानिर्देश

- ✓ सुनिश्चित करें की आपके और/या आपके संगठन के कर्मचारियों, छात्रों, और स्वयंसेवकों द्वारा प्राइमेट सम्बंधित तस्वीरों या छवि के प्रसार के बारे में एक आचार संहिता हो। जहां उचित हो, अपने मार्केटिंग और जनसंपर्क विभाग या कोई भी संचार स्वयंसेवक को इस आचार नियमावली के बारे में पूरी तरह से जानकारी हो।
- ✓ जिन लोगो का अपनी खुद की छवियों के संचालन पर नियंत्रण नहीं होता, जैसे की बहुत प्रसिद्ध शख्सियत, जिनकी छवियां कुछ समय के लिए सार्वजनिक डोमेन में हैं, उन्हें एक अलग छवि पेश करनी चाहिए और यह बताना चाहिए कि मूल छवि समस्याग्रस्त क्यों है। उनके पास अपनी वर्तमान स्थिति को स्पष्ट करने के लिए एक सार्वजनिक वक्तव्य देने का अवसर भी है।
- ✓ आपके या आपके संगठन की वेबसाइट, प्रकाशन, कार्यक्रमों, प्रस्तुतियों और निर्देशित पर्यटन के माध्यम से, प्राइमेट संरक्षण और कल्याण के लिए, प्राइमेट से करीब दर्शाती लोगों की छवियों से संबंधित मुद्दों की व्याख्या करके, शिक्षा को बढ़ावा देना।
- ✓ जहाँ प्रासंगिक हो, वहाँ तस्वीर में लोगों को प्राइमेट के पिंजरे के अंदर न खड़ा कर, बहार ही खड़ा कर (जब तक की पिंजरे के अंदर प्राइमेट बेड़ियों में न जकड़ा हो पर खुला घूम सकता हो) तस्वीर लेना और एक आदर्श व्यव्हार का उदहारण स्थापित करना ।
- ✓ एक देखभालकर्ता की गोद में प्राइमेट्स की तस्वीरें प्रकाशित न करें। इन्हें उन तस्वीरों से बदल दे जिनमें प्राइमेट्स अकेले हो या सजातीय प्राइमेट्स के साथ दिखाई दे ।
- ✓ जिन तस्वीरों में स्वयंसेवक, दानी लोग या प्राइमेट्स की देखभाल करने वाले लोग, प्राइमेट्स को हाथ से खाना खिलाते हुए, या उनके साथ खेलते हुए दिख रहे हो, उन्हें तब प्रकाशित न करें जब उसमें दिख रहे मनुष्य ने उपयुक्त सुरक्षात्मक व्यक्तिगत पहनावा न दर्शाया हो।

- ✓ सुनिश्चित करें की सार्वजनिक रूप से प्रकाशित होने वाली जंगली प्राइमेट के साथ मनुष्य को दर्शाती तस्वीर या छवि में उस मनुष्य और प्राइमेट के बीच कम से कम 7 मीटर या 23 फीट की दूरी हो ।
- ✓ एक पेशे के रूप में प्राइमेटोलॉजी को बढ़ावा देने वाली छवियों में, यह सुनिश्चित करें कि छवि में आपके फेसमास्क, दूरबीन, नोटपैड, या इसी तरह के उपकरणों को शामिल करके संदर्भ स्पष्ट है और संदर्भ की व्याख्या कर उसे और भी स्पष्ट करें ।

इस लेख में इस्तेमाल किये गए शोधपत्रों के उद्धरण

अगूरामूर्थी जी एंड सु एम जे. 2005. यूज़ ऑफ़ नॉन ह्यूमन प्राइमेट्स इन एंटरटेनमेंट इन साउथ ईस्ट एशिया. *जर्नल ऑफ़ एप्लाइड एनिमल वेलफेयर साइंस* 8:141-149

ऑल्ड्रिच बी सी. 2018. द यूज़ ऑफ़ प्राइमेट एक्टर्स इन फीचर फिल्म्स 1990-2013. *एन्थ्रोज़ुस* 31:5-21

बर्गिन डी, अटूसी एस, एंड वाटर्स एस. 2018. ऑनलाइन ट्रेड ऑफ़ बारबरी मकाकस *मकाका सीलवानस* इन मोरोक्को एंड अल्जीरिया. *बायोडायवर्सिटी एंड कंज़र्वेशन* 27:531-534

सीबेलोस-मैगो एन एंड चिवर्स डी जे. 2010. लोकल नॉलेज एंड पर्सेप्शन्स ऑफ़ पेट प्राइमेट्स एंड वाइल्ड मार्गरिटा कापुचींस ऑन अइला दे मार्गरिटा एंड अइला दे कोखे इन वेनेज़ुएला. *एनडेंजरड स्पीशीज रिसर्च* 13:63-72

क्लार्क टी ऐ, रियूटर के ई, लाफ्लेउर एम, एंड शेफर एम एस. 2019. अ वायरल वीडियो एंड पेट लीमर्स ऑन ट्विटर. *पीएलओएस वन* 14 (1):e0208577

फ्रेंक्वेसा-सोलर एम एंड सेरिओ-सिल्वा जे सी. 2017. थ्रू द आईज ऑफ़ चिल्ड्रन: ड्रॉइंग्स एस एन इवैल्यूएशन टूल फॉर चिल्ड्रेन्स अंडरस्टैंडिंग अबाउट एनडेंजरड मेक्सिकन प्राइमेट्स. *अमेरिकन जर्नल ऑफ़ प्राइमेटोलॉजी* 79: डीओआई.10.1002/ajp.22723.

लाफ्लेउर एम, क्लार्क टी ऐ, रियूटर के ई, शेफर एम एस, एंड टेरहोर्स्ट सी. 2019. इललीगल ट्रेड ऑफ़ वाइल्ड-कैप्चर्ड *लीमर काटा* वीथिन मेडागास्कर. *फ़ोलिया प्राइमेटोलॉजीका* 90:199-214

लेइटी के ऐ, वालुसका ऐ जे, ग्रेन्ड ऐ पी, बेटिन्जर टी एल, मेलन जे डी, रॉस एस आर, बॉयल पी एंड ओगडेन जे जे. 2015. इम्पेक्ट ऑफ़ विसुअल कॉन्टेक्स्ट ऑन पब्लिक परसेप्शन ऑफ़ नॉन ह्यूमन प्राइमेट परफॉर्मर्स. *पीएलओएस वन* e0118487

मॉरो के एस, जेमेसन के ऐ एंड त्रिनिडाड जे एस. 2017. प्राइमेट्स इन फिल्म. इन *द इंटरनेशनल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ प्राइमटोलॉजी* (एडिटर्स एम बेजानसोंन, के सी मैककिन्नोन, ई राइली, सी जे कैम्पबेल, के ऐ आई नेकारिस, ऐ एस्ट्राडा, ऐ एफ डी फिओर, एस रॉस, एल ई जोन्स-एंजेल, बी थीएरी, आर डब्ल्यू सुस्मैन, सी सांज, जे लूडोन, एस एल्टन एंड ऐ फुएंतेस) डीओआई:10.1002/9781119179313.wbprim0350

मैजार्ड ई एंड शील डी. 2008. कडली एनिमल्स डोंट पर्सुएट पुअर पीपल टू बैक कंज़र्वेशन. *नेचर.* 454:159. https://www.nature.com/articles/454159b.pdf

नेकारिस के ऐ आई, मुरसिंग एल, वाज़केज़ ऐ जी, एंड डोनाती जी. 2015. इस टिकलिंग टॉर्चर? अस्सेस्सिन्ग वेलफेयर टुवर्ड्स स्लो लोरिसेस (*निक्टिसेबुस एसपीपी.*) वीथिन वेब 2.0 वीडियोस. *फ़ोलिया प्राइमेटोलॉजीका* 86:534-51

नेकारिस के ऐ आई, कैम्पबेल एन, कॉगिन्स टी जी, रोड ई जे, नाईमन वी. 2013. टिकल्ड़ टू डेथ एनेलाइसिंग पब्लिक पर्सेप्शन्स ऑफ़ क्यूट वीडियोस ऑफ़ थ्रैटेनड स्पीशीज (स्लो लोरिसेस-*निक्टिसेबुस एसपीपी.*) ऑन वेब 2.0 साइट्स. *पीएलओएस वन.* 8(7):e69215

नॉरकौंक एम ऐ, अटसलिस एस, टुल्ली जी, सान्तिलान ऐ एम, वाटर्स एस, नौट सी डी, रॉस एस आर, शनि एस एंड स्टिल्स डी. 2020. रेड्यूसिंग द प्राइमेट पेट ट्रेड: एक्शन्स फॉर प्राइमेटोलॉजिस्ट. *अमेरिकन जर्नल ऑफ़ प्राइमेटोलॉजी.*

ओस्टरबर्ग पी एंड नेकारिस के ऐ आई. 2015. द यूज़ ऑफ़ एनिमल्स फोटो प्रॉप्स टू अट्रैक्ट टूरिस्ट्स इन थाईलैंड: अ केस स्टडी ऑफ़ द स्लो लोरिस (*निक्टिसेबुस एसपीपी.*). *ट्रैफिक बुलेटिन* 27:13-18

रियूटर के ई एंड शेफर एम एस. 2016. कैप्टिव कंडीशंस ऑफ़ पेट लीमर्स इन मेडागास्कर. *फ़ोलिया प्राइमेटोलॉजीका* 87:48-63

रॉस एस आर, लुकास के ई, लोंसडोर्फ़ ई वी, स्टोइनस्कि टी एस, हैर बी, शूमेकर आर, एंड गुडॉल जे. 2008. इनएप्प्रोप्रिएट यूज़ एंड पोर्ट्रेअल ऑफ़ चिम्पांज़ीस. *साइंस.* 319:1487

रॉस एस आर, व्रीमान वी एम, लोंसडोर्फ़ ई वी. 2011. स्पेसिफिक इमेज केरेक्टेरिस्टिक्स इन्फ्लुएंस एट्टीटयूड्स अबाउट चिंपांज़ी कंज़र्वेशन एंड यूज़ एस पेट्स. *पीएलओएस वन* 6:e22050

स्क्रोएप्फर के के, रोसाटी ऐ जी, चार्ट्रांड टी एंड हैर बी. 2011. यूज़ ऑफ़ एंटरटेनमेंट चिम्पांज़ीस इन कमर्शियल्स डिसटॉर्ट पब्लिक परसेप्शन रिगार्डिंग देर कंज़र्वेशन स्टेटस. *पीएलओएस वन* 6:e26048

शट के. 2014. एन इंटरडिसिप्लिनरी रिस्क अस्सेस्मेंट ऑफ़ गोरिल्ला एकोटूरिस्म. पीएचडी, डरहम यूनिवर्सिटी. अवेलेबल एट http://etheses.dur.ac.uk/10586/

वॉलिस जे. 2018. द रोल ऑफ़ टूरिज्म इन सेक्यूरिंग अ सस्टेनेबल एक्सिस्टेंस फॉर प्राइमेट्स. इन *प्राइमेटोलॉजी, बायोकल्चरल डाइवर्सिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन ट्रॉपिकल फॉरेस्ट्स.* यूनेस्को

वाटर्स एस, वाटसन टी, बैल एस, एंड सेचेल जे एम. 2018. कम्युनिकेटिंग फॉर कंज़र्वेशन: सरकमवेंटिंग कनफ्लिक्ट विथ कम्युनिटीज ओवर डोमेस्टिक डॉग ओनरशिप, नार्थ मोरक्को. *यूरोपियन जर्नल ऑफ़ वाइल्डलाइफ रिसर्च* 64:69

स्वीकृति

हम इन दिशानिर्देशों के विकास में शॉन वाटर्स की भूमिका के समर्थन के लिए औवहेंड जू फाउंडेशन, नीदरलैंड के ऋणी हैं। ग्राफिक्स के लिए ग्रेविंड सेगरान, यूएमएस / पोंगो अलायंस, सबा, मलेशिया और लेआउट के लिए जेनेट वालिस के आभारी हैं । हम दिशानिर्देशों के पुराने संस्करण पर टिप्पणियों के लिए पीएसजी के कार्यकारी परिषद के सदस्यों और आर्कस फाउंडेशन की लिंडा मे को धन्यवाद देते हैं। लेटिटिया मार्शल बारबरी मैकाक प्रोजेक्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लिंकन, यूके और इफ्रेन नेशनल पार्क, मोरक्को का शुक्रिया अदा करना चाहतें हैं। प्राइमेट्स के साथ जिम्मेदार छवियों से संबंधित इन दिशानिर्देशों के हिंदी अनुवाद में सहयोग के लिए वीरेंद्र माथुर का धन्यवाद देते हैं। हिंदी में अनुवादित संस्करण पर उनकी प्रतिक्रिया के लिए स्मिता डेनियल और तान्या गिल को धन्यवाद देते हैं।